B.Ed. IInd year

Knowledge Language and curriculum

Topic :- पाठ्यक्रम प्रतिमान के प्रकार
Types of curriculum model

राल्फ टायलर (R.W. Tyler) के अनुसार :- प्रतिमान को दो श्रेणियो मे वर्गीकृत किया गया है -

1. वैज्ञानिक प्रतिमान या तकनीकी प्रतिमान
2. अवैज्ञानिक प्रतिमान या अतकनीकी प्रतिमान

वैज्ञानिक प्रतिमान (Scientific model) :- यह एक विस्तृत विचारधारा का अनुसरण करता है। इसमे शिक्षको को सामान्य उद्देश्य को पूरा करने के लिए बौद्धिक और तार्किक उपागम की आवश्यकता होती है। यह समाज और विषय केन्द्रित होता है।

Exp - Tyler model, Hilda Taba Models, Administrative model etc.।

अवैज्ञानिक प्रतिमान :- (Non Scientific model :-

यह बच्चो की आवश्यकताओ और उनके प्रत्यक्षीकरण पर आधारित होता है। ये बाल केन्द्रित प्रतिमान होता है।

Exp - open Class Room model etc.

P.T.O.

Scanned with CamScanner

V.V.M. Imp

हिल्दा ताबा प्रतिमान
Hilda Taba model

हिल्दा ताबा (7 दिसम्बर 1902 – 6 जुलाई 1967) साउथ ईस्टर्न इस्तोनिया के एक छोटे से गाँव की रहने वाली थी। हिल्दा ताबा एक वास्तुकार, पाठ्यक्रम सुधारक व शिक्षक थी। ताबा जॉन ड्यूवी की शिष्या थी।

सन् 1962 में उन्होंने एक पुस्तक – "Curriculum Development Theory & Practice" लिखी।

हिल्दा ताबा का यह विचार था कि पाठ्यक्रम निर्माण का कार्य अध्यापक को शुरू करना चाहिए न कि उच्च पदाधिकारियों को। पाठ्यक्रम की महत्त्वपूर्ण इकाई शिक्षक व विद्यालय विशेष है और पाठ्यक्रम विकास निम्न स्तर से उच्च स्तर की ओर होना चाहिए।

इस प्रतिमान के अनुसार छात्र, अध्यापक अभिभावक व समाज मिलकर पाठ्यक्रम का विकास करे। यह प्रतिमान पाठ्यक्रम के इस सिद्धान्त पर बना है कि पाठ्यक्रम उनके अनुरूप होना चाहिए जिन पर उसे लागू किया जाना चाहिए, या जिनके लिए उसे बनाया गया है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

हिल्दा ताबा का पाठ्यक्रम विकास का दर्शन

Hilda Taba's philosophical Ideas on Curriculum Development.

हिल्दा ताबा के अनुसार पाठ्यक्रम एक सामाजिक प्रक्रिया है और यह छात्र के समाजीकरण के विकास मे सहायक है। उनके शब्दो मे,– "व्यक्तित्व के विकास और सीखने के लिए शैक्षिक उद्देश्यो, विशिष्ट लक्ष्यो को एक प्रक्रिया द्वारा निर्धारित किया जाना चाहिए।" पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया एक सूक्ष्म प्रक्रिया न होकर विस्तृत प्रक्रिया है। विद्यालय सामाजिक संस्थाओ के साथ मिलकर पाठ्यक्रम और अन्य कार्यक्रमो को और अधिक प्रभावशाली बना सकता है।

प्रशासनिक स्तर पर इसे उच्च से निम्न नहीं बल्कि निम्न से उच्च स्तर पर तैयार करना चाहिए। और इसका रूप जनतान्त्रिक निर्देशन पर आधारित होना चाहिए।

हिल्दा ताबा प्रतिमान एक आगमनात्मक उपागम है।

ताबा अध्यापको द्वारा छात्रो की आवश्यकताओ को समझकर पाठ्यक्रम तैयार करने मे विश्वास करती है। इस प्रकार हम इसे अध्यापक उपागम भी कह सकते है। और इसे जमीनी स्तर (Grass Root) भी कह सकते है। इस उपागम का मुख्य लक्ष्य आवश्यकताओ के अनुरूप, व आगमनात्मक उपागम विशिष्ट से सामान्य की ओर चलता है। और परम्परागत निगमनात्मक उपागम का विरोध करता है।

* Complete This Topic Next Turn

Thankyou

by
Mr. Parveen Raj
Asst. Pro.
B.R.C. Deoband (SRE)